

न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष महोदय राजस्व मण्डल ग्वालियर म० प्र० केम्प भोपाल

प्रकरण क्र० :-

अगस्त-0201/2019/हरदा/भू०१०

प्र० दि

:- 30-1-19

पुनरीक्षणकर्ता:- प्रतीक आ० उमाशंकर काशिव जाति ब्राम्हण

निवासी ग्राम सामरधा तह० टिमरनी जिला हरदा म० प्र०

विरुद्ध

उत्तरदातागण :-

श्री संदीप शक्ल आदि  
कोटा जाति दि: 30-1-19  
का अध्यक्ष मण्डल के  
उत्तरदाता  
30-1-19

1. जयशंकर आ० मदनलाल तथा कथित दत्तक एवं नामिनी पुत्र स्वी जुगलकिशोर काशिव जाति ब्राम्हण

2. मनोज कुमार आ० स्व० मोहनलाल काशिव जाति ब्राम्हण  
दोनों निवासी घमापुर बाई का बगीचा मकान नं. 508 गली नं. 4  
जबलपुर तह० एवं जिला जबलपुर म० प्र०

पुनरीक्षण याचिका अंतर्गत धारा 50 म० प्र० भू० रा० सं० 1959

पुनरीक्षणकर्ता अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त महोदय नर्मदापूरम संभाग होशंगाबाद के अपील प्रकरण क्रं. 381 वर्ष 2017-18 ग्राम सामरधा तह० टिमरनी जिला हरदा में पारित आदेश दिनांक 31/12/2018 से दुखी एवं असंतुष्ट होकर निम्न एवं अन्य आधारों पर यह पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति चाहता है।

पुनरीक्षण के तथ्य

1. यह कि उत्तरदातागणों के द्वारा अधिनस्थ न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त महोदय नर्मदापूरम संभाग होशंगाबाद के न्यायालय मे एक अपील न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी महोदय टिमरनी के अपील प्रकरण क्र० 29 अ 6 वर्ष 2016-17 ग्राम सामरधा मे विधि युक्त पारित आदेश दिनांक 23/03/2018 के विरुद्ध पुनरीक्षणकर्ता को परेशान करने के उद्देश्य से प्रस्तुत की थी जिसे माननीय अधिनस्थ अपर आयुक्त महोदय नर्मदापूरम संभाग होशंगाबाद के न्यायालय द्वारा प्रकरण की सही रूप से जांच किये बगैर

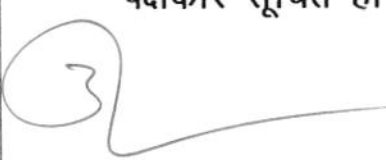
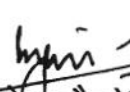
3  
MF 23/2/19

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक-निगरानी 0201/2019/हरदा/भू0रा0

प्रतीक विरुद्ध जयशंकर आदि

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही अथवा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
27-02-2019	<p>आवेदक अभिभाषक श्री संदीप रावल उपस्थित। उन्हें ग्राह्यता के बिन्दु पर सुना गया।</p> <p>2/ प्रकरण का अवलोकन किया। आवेदक द्वारा यह निगरानी अपर आयुक्त नर्मदापुरम संभाग होशंगाबाद के प्रकरण क्रमांक 29/अ-6/2016-17 में पारित अंतिम दिनांक 31-12-2018 के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक 30-01-2019 को प्रस्तुत की गई है। म0प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 में दिनांक 25-9-2018 को हुए नवीन संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50(2)(ख) के अन्तर्गत द्वितीय अपील में पारित आदेश के विरुद्ध इस न्यायालय को निगरानी प्रकरण में सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं होने से निगरानी अग्राह्य की जाती है।</p> <p>पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।</p> <p></p> <p> (आर0के0 जैन) सदस्य</p> <p>27/2/2019</p>	